लक्ष्य को समर्पित

चिकित्सक

कैलिफोर्निया का

लिसेट बी. पूल

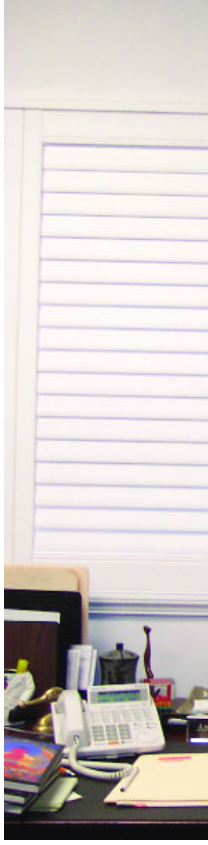

Photograph courtesy Dr. Anmol S. Mahal

कैलिफोर्निया के सबसे बड़े चिकित्सक संगठन के निर्वाचित प्रमुख डॉ. अनमोल एस. महल 35,000 चिकित्सकों के प्रवक्ता होंगे। वे अमेरिका के सबसे घने बसे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं तक अधिक समान पहुंच चाहते हैं।

अनमोल एस. महल संस्कृति, परंपरा और सेवा के प्रति गहरे आदर के माहौल में बड़े हुए। उनके यह गुण उन्हें मरीजों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं और अब *कैलिफोर्निया मेडिकल एसोसिएशन (सीएमए)* के अध्यक्ष पद पर भी उनके यह गुण दिखलाई देंगे। यह राज्य 21वीं सदी के लिए अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को नए सिरे से संवार रहा है। अमेरिका में वह पहले सिख चिकित्सक हैं जो ऐसे पद तक पहुंचे हैं। अपनी नीली पगड़ी को हल्का झटका देते हुए वह मुस्कराकर यह स्वीकार करते हैं कि डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए आए एक छात्र से लेकर अपने पेशे के संगठन के शीर्ष तक पहुंचने की उनकी यात्रा बेहद सफल रही है। वह महसूस करते हैं कि उन्हें यहां मिली उदारता और स्वीकार्यता के बाद अब समाज के लिए कुछ करने का वक्त आया है।

55 वर्षीय डॉ. महल को मार्च में *सीएमए* के प्रतिनिधियों की वार्षिक सभा में अगले अध्यक्ष के रूप में चुना गया। वह 35 हजार सदस्य संख्या वाले इस संगठन की सौवीं वर्षगांठ के मौके पर अगले साल इसके अध्यक्ष पद का कामकाज संभालेंगे। आलोचकों का कहना है कि पिछले कुछ समय से इस पद पर उनकी निगाह लगी थी। वह इस बात को स्वीकार करते हैं कि उन्होंने कई बोर्डों के लिए अपना समय दिया है और वह कैलिफोर्निया में चिकित्सा सुविधाओं को विशेष रूप से उन 70 लाख लोगों के लिए बेहतर बनाने की परियोजनाओं को लेकर उत्साहित हैं जिनके पास चिकित्सा बीमा नहीं है।

नेतृत्व की यह जिम्मेदारी वह उस समय संभाल रहे हैं जब अमेरिका में 20 लाख लोगों का भारतीय-अमेरिकी समुदाय फल-फूल रहा है और उसके वरिष्ठ लोग इस देश में अपने बच्चों के लिए ठोस आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक नींव रखने की कोशिश कर रहे हैं। स्पैन पत्रिका के साथ विशेष साक्षात्कार में उन्होंने कहा, ''कुछ साल पहले तक सार्वजनिक स्थान पर पगड़ी पहने व्यक्ति को लोग बड़ी उत्सुकता से देखते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है।'' उनके अनुसार, अल्पसंख्यक दिखने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। मैं अलग दिखाई देने का लाभ उठाने की कोशिश करता हूं।

उनके कार्यालय में मौजूद कलाकृतियां, मेज पर रखी नोटबुक और क्लीनिक में लगे वॉलपेपर पर देवनागरी सुलेख और आकर्षक कलात्मक डिजाइन नजर आते हैं, जिन्हें इस सावधानी के साथ चुना गया है कि वे पश्चिमी स्टाइल के फर्नीचर के साथ फबें। इस क्लीनिक का इस्तेमाल वह और उनकी डॉक्टर (फैमिली फिजिशयन) पत्नी, दोनों ही करते हैं।

यह दंपत्ति 1972 में शादी के पांच महीने के बाद भारत से अमेरिका आ गया था। नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से स्नातक होने के बाद उन्होंने न्यूजर्सी के *कॉलेज ऑफ मेडिसिन एंड डेंटिस्ट्री* में आंतरिक औषधि में इंटर्नशिप और यकृत चिकित्सा (हेपाटोलॉजी) में फेलोशिप की। उन्होंने 1977 में कैलिफोर्निया के *स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर* से उदर चिकित्सा में फेलोशिप पूरी की। वह याद करते हैं, कैलिफोर्निया का सूरज और शुरुआती भारतीय सिख प्रवासियों द्वारा 1890 के दशक में बनाया गया गुरुद्वारा अतिरिक्त संबल थे। महल उत्तर भारत के अमृतसर शहर में पैदा हुए जहां सिखों का पवित्र स्थल स्वर्ण मंदिर है और इसीलिए यह गुरुद्वारा उनके लिए आध्यात्मिक तौर पर बहुत अहम था। वह बताते हैं कि कैलिफोर्निया में शुरुआती दो साल बहुत मुश्किलों से भरे थे। यहां अलग संस्कृति है, भाषा अलग तरीके से बोली जाती है। मैं यहां के स्थानीय हंसी-मजाक, अनुभवों और ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़ी बातों को समझ नहीं पाता था। मरीजों से रिश्ता कायम करने के लिए ये महत्वपूर्ण हैं। लेकिन एक बार प्रवासियों के सम्मुख आने वाली इन बाधाओं को दूर करने के बाद इस देश की जीवनशैली से प्यार करना आसान था। वे सान फ्रांसिस्को बे के फ्रेमोंट शहर में बस गए। उनके दो बच्चे हैं, 28 वर्षीय सुवेना महल जो पारिवारिक चिकित्सा रेजीडेंट है और 23 वर्षीय विक्रम जो अभी कॉलेज में पढ़ रहा है।

उनके लिए यहां अपने जीवन की सबसे बढ़िया बात अपने चिकित्सा पेशे को लेकर हुई। ''इस संस्कृति में ऐसी आजादी है जिसका अनुभव आपको कहीं और नहीं होगा। आप व्यावसायिक तौर पर खुद को वाकई अभिव्यक्त कर सकते हैं। एक जनरल को सिपाही यह बता सकता है कि वह उसकी युद्ध योजना के बारे में क्या सोचता है। मैंने लगातार ऐसा किया है। कई बार इसका नुकसान हुआ है लेकिन ज्यादातर इसका लाभ ही मिला है। उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी स्थिति को लेकर सहज होते हैं और आप उनसे आदर पाते हैं। कुछ लोग असुरक्षित महसूस कर सकते हैं लेकिन ज्यादातर मामलों में आप उच्चतम बौद्धिक स्तर पर तर्क कर सकते हैं और समाधान तलाश सकते हैं। हम ऐसे समाज में बड़े हुए जहां शीर्ष पर बैठे की ही सुनी जाती है और ऐसी व्यवहार संहिता चलती है जिसमें सवाल पूछने की इजाजत नहीं होती।''

फ्रेमोंट,कैलिफोर्निया में अपने कार्यालय में कैलिफोर्निया मेडिकल एसोसिएशन के अगले अध्यक्ष डॉ. अनमोल एस. महल। 35,000 सदस्यों वाली इस एसोसिएशन में सभी तरह के विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं।

इसके बावजूद उन्हें भारतीय संस्कृति से ही अपने मरीजों के बीच लोकप्रिय होने में मदद मिली। उम्रदराज मरीज कहते हैं कि सेहत और बीमारी के बारे में पड़ताल करते वक्त उन्हें इस उदर विशेषज्ञ का शांत और मृदुभाषी रवैया भाता है। युवाओं को हंसी-मजाक के पुट के साथ उनका पेशेवर कुशलता वाला अंदाज पसंद है। उम्रदराज और युवा, दोनों ही इस बात के कायल हैं कि उनके व्यवहार में हमेशा सहजता और एकाग्रता होती है, चाहे उनसे क्लीनिक में मिलें या फिर स्थानीय मॉल या बुकस्टोर में।

डॉ. महल तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं से रूबरू होने की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय सामुदायिक चिकित्सा केंद्र में निशुल्क चिकित्सा क्लीनिक, कैलिफोर्निया के उन लाखों लोगों को चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराना जो चिकित्सा बीमा के दायरे में नहीं हैं और सभी लोगों की चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच के लिए नीतियां तय करना। वह इन मुद्दों से टकराते समय सिख धर्म के मुख्य सिद्धांत 'बराबरी के दर्शन' को व्यवहार में लाते हैं।

कैलिफोर्निया में भारतीयों की संख्या अन्य एशियाई जातीय समुदायों- चीनी, फिलिपीनी और वियतनामियों से अधिक हो रही है, वे सामुदायिक केंद्र बना रहे हैं, जहां सैकड़ों परिवार आपस में बातचीत करने और आराम के लिए आ सकें। यहां सभी के लिए कुछ न कुछ है। बच्चे और किशोर संस्कृति, भाषा, नृत्य, कला, दस्तकारी, संगीत या गायन की कक्षाओं में भाग ले सकते हैं। युवा पेशेवर लोग व्यायाम मशीनों का प्रयोग कर सकते हैं तथा योग, ध्यान और पोषण कक्षाओं में जा सकते हैं और उम्रदराज लोग बोर्ड गेम, पुस्तकों और पत्रिकाओं का उपयोग कर सकते हैं।

फ्रेमोंट के केंद्र में एक नि:शुल्क चिकित्सा क्लीनिक शुरू किया जा रहा है जो डॉ. महल की देखरेख में चलेगा। स्वयंसेवी चिकित्सक इसे सहायता कार्यक्रम के रूप में संचालित करेंगे और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराएंगे। यहां लोग नि:शुल्क दवाइयां ले सकेंगे और स्वास्थ्य जागरूकता कक्षाओं में भागीदारी कर सकेंगे - विशेष रूप से हाइपरटेंशन यानी तनाव की बीमारी के बारे में। यह बीमारी जानलेवा है और उम्रदराज भारतीय समुदाय में आम है। डॉ. महल कहते हैं, ''मैं इस संबंध में बहुत उत्साहित हूं। यह समुदाय को कुछ वापस देने का हमारा तरीका है।''

इसी रुझान के साथ वह कैलिफोर्निया चिकित्सक कोर का भी विस्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कुछ साल पहले यह संस्था स्थापित करने में मदद की थी। यह भारत और मिस्र जैसे देशों के चिकित्सा सहायता कार्यक्रमों की तरह हैं जहां गांवों-कस्बों में बड़ी तादाद में लोग रहते हैं। डॉ. महल के अनुसार खुले समाज में आप डॉक्टरों पर इसे थोप नहीं सकते। आपको प्रोत्साहन पैकेज देना होगा और हमने सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन पैकेज दिए हैं। इसके तहत रेजीडेंसी पूरी करने वाले पूर्ण रूप से प्रशिक्षित चिकित्सक को ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देने को तैयार होने पर तीन साल में अपने चिकित्सा विद्यालय के कर्ज को उतारने के लिए 1,05,000 डॉलर मिलेंगे। इस कार्यक्रम के लिए 58 चिकित्सक पहले ही अपना नाम लिखा चुके हैं। डॉ. महल कहते हैं, ''हमें उम्मीद है कि इन लोगों का वहां के समुदाय से रिश्ता कायम होगा और वे तीन साल बाद भी वहां टिके रहेंगे।''

डॉ. महल के लिए चिकित्सा सुविधाओं तक बराबर की पहुंच सिर्फ सिद्धांत नहीं है। वह और अन्य साथी चिकित्सक अपने विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। उनके अनुसार हमारे लोगों की खास जरूरतें हैं और अपने विचार प्रस्तुत कर हम *सीएमए* के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर प्रस्ताव तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं। वह स्पष्ट करते हैं कि दक्षिण अमेरिकी समुदाय इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। उनमें मधुमेह के मामले बहुत होते हैं। इसलिए यह राज्य के हित में हैं कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के मद्देनजर जीवनशैली, शिक्षा, बीमारी की रोकथाम, जागरूकता और शुरुआती मूल जांच पर ध्यान दिया जाए।

इसके अलावा वह और अन्य चिकित्सक चिकित्सा देखभाल के स्तर पर आ रहे अंतर को लेकर भी चिंतित हैं। हाल ही में हुए अध्ययन बताते हैं कि यह अंतर साफ नजर आ रहा है। वे कहते हैं, ''यदि आपको दिल का दौरा पड़ता है तो अत्याधुनिक देखभाल के तहत आपको थक्कों को घोलने वाली चिकत्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी जो आपकी मांसपेशियों को बेकार होने से बचा लेगी। अमेरिका में फिलहाल 59 फीसदी श्वेत पुरुषों, 55 फीसदी अश्वेत पुरुषों, 49 फीसदी श्वेत महिलाओं और 44 फीसदी अश्वेत महिलाओं को ही यह इलाज मिल पाता है। हमें पता नहीं कि ऐसा क्यों होता है। हमें इस इलाज तक बराबरी की पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत है। कहने का अर्थ यह नहीं है कि इलाज में नस्ली भेदभाव है लेकिन इस बात पर गौर करने की जरूरत है।''

वह बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए समाधान तलाशने की आवश्यकताओं को लेकर बहुत उत्साहित हैं। ''जो लोग हमारे लिए खाना बनाते हैं, जो हमारे स्नानघर साफ करते हैं, हमारे माता-पिता को दवाइयां देते हैं, हमारे वाहन चलाते हैं, कपड़े धोने वाले, कारोबार चलाने वाले, भूमिगत मार्गों में काम करने वाले क्लर्क और ऐसे ही अन्य लोग हमारे समाज की नींव हैं और ये ही लोग चिकित्सा देखभाल से वंचित हैं। आमतौर पर ये लोग न्यूनतम मजदूरी पर काम करते हैं, इन्हें कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलता और यह अपने परिवार को एकसाथ रखते हैं। हमें उम्मीद है कि हम ऐसे लोगों की मदद कर पाएंगे।'' □

लेखिका: *लिसेट बी. पूल स्वतंत्र पत्रकार हैं और कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी हेवार्ड के सान फ्रांसिस्को बे में रहती हैं।*